>

Title: Regarding the need to ban the film 'Aa Jaa Nachle'.

MR. SPEAKER: Shri Ramdas Athawale, come to the front benches and speak.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर): अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं कि आपने मुझे बहुत दिनों के बाद पीछे से आगे बुलाया है।...(व्यवधान) कल 'आजा नच ले' नाम की एक फिल्म रिलीज हुई है। यह फिल्म *â€¦** प्रोडक्शन के बैनर तले बनी है। इस फिल्म के एक गाने में मोची कभी सुनार नहीं बन सकता, ऐसा उल्लेख है। *â€¦** इसकी एक्ट्रेस काफी दिनों के बाद, शादी के बाद, दोबारा फिल्म इंडस्ट्री में लौटी हैं और उनकी यह पहली फिल्म है। मैं *â€¦** बताना चाहता हूं कि आजा नच ले...

अध्यक्ष महोदय: नाम नहीं लेना चाहिए।

श्री रामदास आठवले : मेरा इतना कहना है कि इस फिल्म को बैन किया जाए। मैंने इस सम्बन्ध में प्रियरंजन दासमुंशी जी से भी बात की है। इस फिल्म के एक गाने में जो ग़ह अपमानजनक शब्द इस्तेमाल किया है, उसके गीतकार * हैं, जो आरएसएस से सम्बन्धित हैं...(व्यवधान)

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर): इसका आरएसएस से क्या सम्बन्ध है?

श्री रामदास आठवले : हमारी मांग है कि इस फिल्म को बैन किया जाए और इसमें शामिल लोगों पर एट्रोसिटी एक्ट के तहत केस चलाया जाए। दासमुंशी जी का यह विभाग है इसलिए उन्हें इस पर कुछ कहना चाहिए।

MR. SPEAKER: Name will not be recorded.

(Interruptions) â€¦*

मोहम्मद सलीम (कलकत्ता - उत्तर पूर्व): अध्यक्ष महोदय, आजकल कोई फिल्म रिलीज होती है तो उसका हाईप तैयार किया जाता है। जिस फिल्म की पूरा देश और हम चर्चा कर रहे हैं, उसका भी इस तरह से हाईप तैयार किया गया है। लेकिन हमारी भाषा, हमारी शब्दावली और कहावत में ऐसे कास्टिस्ट्स एक्सप्रैशंस हैं। अफसोसनाक बात यह है कि 21वीं सदी चल रही है, लेकिन हम आज भी कभी-कभी संवेदनशील नहीं हो पाते। जिस तरह से हम पेशे को समझ लेते हैं कि वह वैसा ही रहेगा, उसी तरह से इस

फिल्म के एक गाने में इस तरह की लाइन लिखी गई है। हम समझते हैं कि यह लोकतांत्रिक परम्परा के खिलाफ है। हम लोकतंत्र में किसी भी खानदान या पेशे से आते हों, हमें पूरा अधिकार है कि हम कहीं भी

* Not recorded

जा सकते हैं, यह संविधान ने भी गारंटी दी है। लेकिन हमारी भाषा में कोई कवि या शायर अगर उस चीज के बारे में संवेदनशील नहीं होगा, तो फिर उस समाज या व्यक्ति के साथ अन्याय होगा। इसलिए सरकार को भी सेंसेटिव होना चाहिए और फिल्म सेंसर बोर्ड को भी सेंसेटिव होना चाहिए। इसके साथ ही पूरे देश में संवेदनशीलता होनी चाहिए कि हम जो शब्द या भाषा इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे हम समाज के किसी वर्ग को अलग तो नहीं समझ रहे हैं।

MR. SPEAKER: That means, you have heard the song.

श्री लक्ष्मण सिंह (राजगढ़): इसमें दोष फिल्म निर्माता का है, उसके खिलाफ बोलना चाहिए। इसमें *â€¦** का क्या दोष है?

अध्यक्ष महोदय: यह नाम प्रोसीडिंग से हटा दिया जाएगा। [R8]

12.00 hrs.

MR. SPEAKER: Would the Minister like to respond?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): Sir, first of all, I must confess to you that I have not seen the whole thing. I just gathered from news report and also late night information from the TV.

I knew that it would come up in the House and so, I consulted my office. The hon. Members might be aware that the Government does not interfere in the functioning of the Central Film Censor Board, which is headed by a very distinguished lady and performer, Ms. Sharmila Tagore Ji. Whenever we decide a film in the Censor Board, and if a producer or a viewer or anyone has any reservation, he has a right to go to appeal, which is headed by a retired High Court Judge, at present, Usha Mehra Ji, a retired Judge of the Delhi High Court.

So far, no such complaint has been lodged with the Appeal Board. But when we heard that the distinguished Chief Minister of Uttar Pradesh has banned it, on such things, our UPA Government's policy is that nothing should be done in the country which will offend any community, caste or religion. It is a pluralistic society; we have to uphold the dignity of everyone.

* Not recorded

However, the noted producer – not just noted producer, but also outstanding in India – Shri Yash Chopra immediately directed to change those lines and correct those things. This is the information; early morning, the Secretary of the Ministry of Information has gathered and conveyed to me. Even after that, if something is there, there is a room for review.

But I can only tell you that it is not the intention of the Government and we do not like it; naturally therefore, all matters should be taken into account by the concerned Review Committee. But for your information I would like to tell you that production and censoring is the job of the Union Government and the execution is the job of the State Government. If the State Government feels something wrong, they can ban it. But the national level ban is a difficult job, unless the things are like that.

Here, since the producer himself had admitted that it is wrong and he already changed it, I do not think that the issue will rise again.

MR. SPEAKER: I think the clarification is good. We should also appreciate that there is a response; whenever a protest has been made, it has been responded to and corrected. That is good.

MR. SPEAKER: Shrimati Suman Mahato. It is her maiden submission.